



मरीजों की बेहतर देखभाल के लिए नर्सों को हुनरमंद बनाने पर जोर

- **एरा विश्वविद्यालय और झपीगो का संयुक्त आयोजन**
- **नर्सिंग शिक्षा को व्यावहारिक कौशल से जोड़ने पर मंथन**

लखनऊ (सं)। अस्पताल में मरीज की देखभाल केवल दवाएं देने और डॉक्टर के निर्देशों का पालन करने तक सीमित नहीं है। मरीज की स्थिति को समझना, सही समय पर निर्णय लेना और आपात स्थिति में प्रभावी कदम उठाना भी नर्सिंग का अहम हिस्सा है। इसी उद्देश्य से नर्सिंग शिक्षा को किताबी ज्ञान से आगे बढ़ाकर व्यावहारिक दक्षताओं से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में **एरा विश्वविद्यालय** और झपीगो के संयुक्त तत्वावधान में विंडहैम गार्डन लखनऊ सिटी सेंटर में नर्सिंग लीडर्स कनेक्ट 2026 का आयोजन किया गया। 'योग्यता-आधारित नर्सिंग शिक्षा के माध्यम से दृष्टि से प्रभाव तक' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न नर्सिंग संस्थानों, अस्पतालों और



शैक्षणिक संगठनों के 75 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें 46 नर्सिंग लीडर्स शामिल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत एरा कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल डॉ. प्रिसिला सैमसन के स्वागत भाषण से हुई। विशेषज्ञों ने नर्सिंग विद्यार्थियों में जरूरी दक्षताएं विकसित करने, संस्थानों की तैयारी और शिक्षण के नए तरीकों पर चर्चा

की। डॉ. सुचेता दांडेकर, डॉ. निर्मला रेगे और डॉ. अनुजा भार्गवा ने अपने विचार रखे। पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने कहा कि नर्सिंग की पढ़ाई और अस्पतालों में मरीजों की वास्तविक जरूरतों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। इसके लिए शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों की साझेदारी मजबूत करनी होगी, ताकि प्रशिक्षित नर्सें

मरीजों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण देखभाल दे सकें। **एरा विश्वविद्यालय** की प्रो वाइस चांसलर डॉ. फरजाना महदी ने सहयोगात्मक नेतृत्व और संस्थागत भागीदारी को जरूरी बताया। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने योग्यता-आधारित नर्सिंग शिक्षा लागू करने की व्यावहारिक रणनीतियों पर विचार किया।